बंधक प्लॉट बेचने पर गीता विहार कॉलोनी के डायरेक्टर पर ईओडब्ल्यू का केस

- देपालपुर में 2.55 करोड़ के चार भूखंडों की बिक्री का मामला
- आम मुख्त्यारधारी सहित अन्य पर भी एफआईआर

नव भारत न्यूज

इंदौर. देपालपुर की गीता विहार कॉलोनी में शासन के पास बंधक रखे भूखंडों को बेचने के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) इंदौर ने कॉलोनी विकसित करने वाली कंपनी के डायरेक्टर सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है. आरोप है कि बंधन मुक्त कराए बिना चार भूखंडों की बिक्री कर दी गई, जिनकी कीमत 2 करोड़ 55 लाख रुपए से अधिक थी.

ईओडब्ल्यू ने एसएमवी इन्फ्रा स्टेट प्रा.लि. के डायरेक्टर सुरेश ठाकुर, आम मुख्त्यारधारी दिनेश मुकाती निवासी ताजखेड़ी, देपालपुर और अन्य लोगों के खिलाफ धारा 420 और 34 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज किया है. मामले की शिकायत भ्रष्टाचार विरोधी संगठन के सचिव एस. शिवम ने की थी. शिकायत में गीता विहार कॉलोनी में विकास कार्य अधूरे होने के बावजूद दस्तावेजों के आधार पर काम पूरा बताने और शासन के पास बंधक रखे भूखंडों को बेचने के आरोप लगाए गए थे. जांच में पता चला कि ग्राम ताजखेड़ी स्थित गीता विहार कॉलोनी के लिए कलेक्टर इंदौर के पास 25 प्रतिशत भूखंड विकास कार्यों की गारंटी के रूप में बंधक रखे थे. इनमें भूखंड क्रमांक 88, 89, 90 और 124 भी शामिल थे. इन भूखंडों को वर्ष 2018 में बंधन मुक्त कराए बिना ही बेच दिया.

दस्तावेजों की जांच की जा रही

रिकॉर्ड के अनुसार सुरेश ठाकुर ने दिसंबर 2017 में दिनेश मुकाती के पक्ष में 35 भूखंडों के संबंध में आम मुख्त्यारनामा किया था. इसके बाद मार्च और मई 2018 में चारों बंधक भूखंडों की बिक्री कर दी गई. जांच में इन भूखंडों का कुल विक्रय मूल्य 2 करोड़ 55 लाख 80 हजार 300 रुपए पाया. ईओडब्ल्यू की जांच में कॉलोनी के विकास कार्यों की भी पड़ताल की गई. इसमें सड़क, बाउंड्रीवाल, ड्रेनेज, वाटर लाइन सहित कई काम होना पाए गए, लेकिन विद्युत संबंधी कार्य अधूरा मिला. ईओडब्ल्यू ने दस्तावेजों और संबंधित विभागों से मिली जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया है. अब आरोपियों की भूमिका और बिक्री से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है.

ध्वनि प्रदूषण मामले में हाईकोर्ट नाराज, मांगा कार्रवाई का पूरा ब्यौरा

प्रशासन को शपथपत्र में बताना होगा- कितने मामलों में कार्रवाई हुई और क्या परिणाम रहा

इंदौर. शहर में बढ़ते ध्वनि और पर्यावरण प्रदूषण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने प्रशासनिक अधिकारियों के जवाब पर नाराजगी जताई है. कोर्ट ने कहा कि केवल कार्रवाई किए जाने की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है. अब तक की गई कार्रवाई का पूरा ब्यौरा शपथपत्र के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा.

जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने निर्देश दिए कि प्रशासन बताए कि कितने लोगों या संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई, किन कानूनों के तहत कार्रवाई हुई और उसका परिणाम क्या रहा. याचिकाकर्ता अमिताभ उपाध्याय और अन्य की ओर से अधिवक्ता अभिनव पी. धनोड़कर ने कोर्ट को बताया कि शहर में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है. शिकायतों के बावजूद कार्रवाई अपेक्षित स्तर पर नहीं है. सुनवाई के दौरान कोर्ट के निर्देश पर खजराना जोन के एसीपी आशीष पटेल, मल्हारगंज जोन के एसीपी एएस जादौन और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सतीश चौकसे उपस्थित हुए. अधिकारियों ने प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी, लेकिन कोर्ट ने विस्तृत रिपोर्ट मांगी. कोर्ट ने अधिकारियों को शपथपत्र में कार्रवाई की स्थिति, लंबित मामलों और भविष्य में प्रदूषण रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी देने के निर्देश दिए. साथ ही जिला दंडाधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी गई है. हाईकोर्ट ने कहा कि ध्वनि और पर्यावरण प्रदूषण नागरिकों के स्वास्थ्य और संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के अधिकार से जुड़ा विषय है. मामले की अगली सुनवाई अगस्त के तीसरे सप्ताह में होगी.

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- परिजनों ने लगाया प्रताड़ना का आरोप
- पुलिस बयान के आधार पर करेगी जांच

इंदौर. एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों ने पत्नी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि शादी के कुछ माह बाद से ही पत्नी युवक पर परिवार से अलग रहने का दबाव बना रही थी, जिसके चलते वह तनाव में था.

पटेल नगर निवासी 27 वर्षीय अभिषेक पिता मनोहर ने आत्महत्या कर ली. परिजनों ने पुलिस को बताया कि अभिषेक नगर निगम में नौकरी करता था. इसी साल मई में उसका विवाह बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाली साधना से हुआ था. आरोप है कि शादी के बाद से ही पत्नी उसे परिवार से अलग रहने के लिए दबाव बना रही थी. परिजनों का यह भी कहना है कि पत्नी ने बाणगंगा थाने में अभिषेक के खिलाफ शिकायत भी की थी, जिसके बाद पुलिस ने अभिषेक और उसके परिवार को थाने बुलाया था. परिजनों का आरोप है कि इसी बात से परेशान होकर अभिषेक ने यह कदम उठा लिया. वह मूल रूप से महू के कैलोद गांव का रहने वाला था. एरोड्रम थाना प्रभारी, वेदेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है. परिजनों के बयान और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

पुलिस को बिना बताए परिजन ने कर दिया अंतिम संस्कार

इंदौर. बेटमा थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के बाद परिजन ने पुलिस को सूचना नहीं दी और शव का अंतिम संस्कार कर दिया. घटना की जानकारी बाद में मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की है. प्रभातम कॉलोनी में रहने वाली 16 वर्षीय गुंजा कुमारी ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी. घटना के बाद परिजन ने शव को नीचे उतारा और रिश्तेदारों की मौजूदगी में मोटरसाइकिल से श्मशान घाट ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया. पुलिस को घटना की जानकारी आसपास के लोगों से मिली. पुलिस अब परिजनों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है, मामले में जांच जारी है.

फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराकर करोड़ों के ट्रांजेक्शन कराता था नेटवर्क

- शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गिरोह की तीसरी कड़ी टूटी
- तीन और आरोपी गिरफ्तार, 15 मोबाइल, स्कॉर्पियो और बैंकिंग दस्तावेज जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. शेयर ट्रेडिंग और ऑनलाइन निवेश के नाम पर देशभर में करोड़ों रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है. मामले में पहले गिरफ्तार दो आरोपियों से पूछताछ और बैंक खातों के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने गिरोह के तीन और सदस्यों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से 15 मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों की पासबुक, सिम कार्ड, स्कॉर्पियो वाहन और अन्य बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए हैं. जांच में करोड़ों रुपए के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन सामने आए हैं.

क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी आकाश विश्वकर्मा, प्रवीण पाल और आशीष पुरी साइबर ठगों के लिए फर्जी या किराए के बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करते थे. ये विभिन्न लोगों के नाम से बैंक खाते खुलवाकर उनकी बैंकिंग किट, एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक और सिम कार्ड गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचाते थे. इन्हीं खातों में शेयर ट्रेडिंग और ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी गई रकम जमा कर उसे अलग अलग खातों में ट्रांसफर किया जाता था. यह कार्रवाई परदेशीपुरा थाने में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान की गई. इससे पहले गिरफ्तार आरोपी जय सूर्यवंशी और जतिन हरियाले से पूछताछ तथा डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद इन तीनों की भूमिका सामने आई. पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए हैं, जिनकी फोरेंसिक जांच की जा रही है. जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों का इस्तेमाल देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर फ्रॉड मामलों में किया गया. बैंक खातों के विश्लेषण में करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेन देन मिले हैं. क्राइम ब्रांच अब संबंधित राज्यों की पुलिस से समन्वय कर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही है.

खातों में संदिग्ध लेने देन मिले

आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेन देन मिले हैं. जब्त मोबाइल फोन और बैंकिंग दस्तावेजों की जांच की जा रही है. पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड और अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है तथा जांच के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी.

- डीसीपी क्राइम, राजेश त्रिपाठी

एक नजर में

दौलताबाद नि:शुल्क शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

बेटमा/पीथमपुर. विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल बेटमा प्रखंड द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत ग्राम दौलताबाद में एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (मेडिकल कैंप) का आयोजन किया गया. इसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया और नि:शुल्क दवाइयों का लाभ प्राप्त किया. शिविर में मुख्य रूप से जिला संगठन मंत्री दीपक डावर, जिला सह संयोजक सोनू पटेल एवं बेटमा प्रखंड मंत्री सोमदत्त सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे. इस विशेष सेवा कार्य को सफल बनाने में देपालपुर सीएचसी की बीएमओ डॉ. विभा नागर का विशेष सहयोग रहा. शिविर के आयोजन में सरपंच शिवनारायण पटेल, पीयूष दुबे, भूपेंद्र बागवान, अनिल पांचाल, दीपक कुमावत, शुभम नागर, उदित नागर, अक्षय नागर, भेरूलाल नागर, आयुष नागर और निलेश सहित कार्यकर्ताओं तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम का सराहनीय योगदान रहा.

इनरव्हील क्लब की नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी

महू. इनरव्हील क्लब गुलमोहर के नए सत्र का शुभारंभ शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ. समारोह में नवगठित कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया. नई कार्यकारिणी में प्रीति खंडेलवाल ने अध्यक्ष, सुनीता सिकरवार ने सचिव, अंजना भाटी ने कोषाध्यक्ष तथा स्वाति सरड़ा ने आईएसओ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया. समारोह में पीसीडी फातिमा कुरैशी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं. वहीं नारद सुदानी, रचना विजयवर्गीय, रोटरी क्लब के अध्यक्ष नरोत्तम माहेश्वरी एवं सचिव प्रकाश वर्मा की विशेष उपस्थिति रही. इस अवसर पर किरण गोयल, किरण माहेश्वरी, किरण बंसल, भावना रनवाल, मंजू होतवानी, शालिनी जिंदल, सुनीता लड्ढा सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं. समारोह का समापन समाजहित, महिला उत्थान और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ.

कांग्रेस का उग्र हल्लाबोल, गांधी प्रतिमा के समक्ष धरना प्रदर्शन

महू. नीट परीक्षा में कथित धांधली, पेपर लीक प्रकरण और देश के विभिन्न हिस्सों में हक की आवाज उठा रहे मासूम छात्रों पर हुए बर्बर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर धरना दिया. कांग्रेस कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं ने महू के कोतवाली चौराहा स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष एकत्रित होकर एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया और जमकर नारेबाजी की. धरने के समापन पर कांग्रेसियों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक सख्त कार्रवाई की मांग का ज्ञापन सौंपा. विजेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया. संचालन अजय सिंह धनावत ने किया तथा ज्ञापन का वाचन पप्पू खान ने किया. आभार देवेंद्र अग्रवाल ने व्यक्त किया. प्रदर्शन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाशदत पांडे, जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, वरिष्ठ नेता मुजीब कुरैशी, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र राठौर, महेश पाटीदार, देवेंद्र अग्रवाल, दिनेश पंचोली, विधानसभा अध्यक्ष ओम पटेल, आनंद गोगलिया, जनपद सदस्य चंदर सिंह ठाकुर, मनीष वर्मा, विक्रम सिसोदिया, विलीन पाटीदार, अमित अग्रवाल, पूनम पटेल, जुगनू धनावत और राजेश पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे.

नीम की लकड़ी ले जा रहा आयशर वाहन जब्त

इंदौर. वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए धार रोड स्थित नूरानी नगर चौराहे से नीम की गोल लकड़ी से भरा आयशर वाहन जब्त किया है. वाहन चालक के खिलाफ वन प्रकरण दर्ज किया.

बुधवार को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन में बिना वैध दस्तावेज के लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है. इस पर वन परिक्षेत्र अधिकारी इंदौर के निर्देशन में टीम ने धार रोड स्थित नूरानी नगर चौराहे पर पहुंचकर आयशर वाहन क्रमांक एमपी 09 जीजी 1719 की जांच की तो नीम प्रजाति की गोल लकड़ी मिली. चालक अनिल पिता मदनलाल निवासी कजलीवन, तहसील हाटपीपल्या, जिला देवास से लकड़ी के दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका. पूछताछ में उसने बताया कि वह लकड़ी मानपुर क्षेत्र से भरकर ला रहा था. टीम ने पीओआर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. कार्रवाई में वन परिक्षेत्र अधिकारी के साथ वनरक्षक आशीष कुशवाह, अमित तोमर और अमन मालवीय शामिल रहे.

एमडी ड्रग्स की सप्लाई से पहले तीन तस्कर गिरफ्तार

- क्राइम ब्रांच ने 31.30 ग्राम मेफेड्रोन और स्कूटी-बाइक जब्त की
- ड्राइवर सहित दो अन्य आरोपी पकड़ाए

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने शहर में एमडी ड्रग्स की सप्लाई से पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 31.30 ग्राम मेफेड्रोन एमडी ड्रग्स जब्त की है. पकड़े गए आरोपियों में एक ड्राइवर सहित फ्रिज रिपेयरिंग और एल्युमिनियम सेक्शन का काम करने वाले युवक शामिल हैं. पुलिस ने आरोपियों के पास से एमडी ड्रग्स के साथ एक स्कूटी और बाइक भी जब्त की है.

क्राइम ब्रांच ने पहली कार्रवाई में आसिम खान उम्र 35 साल निवासी मदीना नगर, आजाद नगर को पकड़ा. टीम को गश्त के दौरान कृषि महाविद्यालय के सामने मेन रोड पर एक युवक स्कूटी पर संदिग्ध हालत में मिला था. तलाशी लेने पर स्कूटी की डिग्गी से पारदर्शी जिपलॉक पाउच में 20.30 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से होंडा डीओ स्कूटी भी जब्त की है. जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब दो लाख रुपए बताई गई है. दूसरी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने लक्ष्मीबाई औद्योगिक क्षेत्र स्थित दवे की दिव्य मसाला फैक्ट्री के सामने से आमिर खान उम्र 32 साल और बाबर खान उम्र 35 साल निवासी कबूतर खाना, पंढरीनाथ को गिरफ्तार किया. दोनों आरोपी होंडा शाइन बाइक के पास खड़े थे. तलाशी में उनके पास से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली, जिसकी कीमत करीब 1.10 लाख रुपए है.

आरोपियों से पहले दर्ज है प्रकरण

पुलिस जांच में सामने आया कि आसिम खान ड्राइवर का काम करता है और एमडी ड्रग्स सप्लाई करने की तैयारी में था. वहीं आमिर फ्रिज रिपेयरिंग और बाबर एल्युमिनियम सेक्शन का काम करता है. पुलिस अब आरोपियों से ड्रग्स के स्रोत, सप्लायर और नेटवर्क से जुड़े लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है. रिकॉर्ड जांच में सामने आया कि बाबर खान के खिलाफ पंढरीनाथ, सदर बाजार और एमजी रोड थानों में मारपीट और चोरी के तीन मामले दर्ज हैं. वहीं आमिर खान के खिलाफ पंढरीनाथ और सेंट्रल कोतवाली थाने में मारपीट व धमकी के दो प्रकरण दर्ज हैं. आसिम खान भी पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के मामले में पकड़ा जा चुका है.

स्रोत और सप्लायर नेटवर्क की पूछताछ

आरोपियों से ड्रग्स के स्रोत और सप्लायर नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है. नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी.

- डीसीपी क्राइम, राजेश त्रिपाठी

पानीपुरी के पैसे को लेकर दोस्तों में विवाद, चाकू से किया हमला

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र के सुखलिया में पानीपुरी खाने के बाद पैसे देने की बात पर चार दोस्तों के बीच विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ा कि दो युवकों ने अपने ही दो साथियों पर चाकू से हमला कर दिया. हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर प्रकरण दर्ज किया है.

पुलिस ने मामले में सोकेस उर्फ शोकेस पुत्र अशोक निकुम निवासी साईं पैलेस कॉलोनी और सौरभ पुत्र राजेश कुमार खटीक को हिरासत में लिया है. दोनों से घटना में इस्तेमाल चाकू और विवाद के संबंध में पूछताछ की जा रही है. जांच में सामने आया कि घायल अर्जुन, वीरेंद्र, सोकेस और सौरभ आपस में दोस्त हैं. मंगलवार रात चारों सुखलिया क्षेत्र में पानीपुरी खाने गए थे. इसी दौरान पैसे देने की बात पर कहासुनी शुरू हो गई. विवाद बढ़ने पर सोकेस और सौरभ ने चाकू निकालकर अर्जुन और वीरेंद्र पर हमला कर दिया. हमले में वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अर्जुन को मामूली चोटें आईं. दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां अर्जुन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है. वारदात में उपयोग चाकू की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है.

मामले की जांच जारी

पानीपुरी के पैसे को लेकर चार दोस्तों के बीच विवाद हुआ था. दो आरोपियों को हिरासत में लेकर प्रकरण दर्ज किया है, घायल युवकों का उपचार कराया गया है और मामले की जांच जारी है.

- थाना प्रभारी हीरानगर, सुशील पटेल

कार और बाइक से अवैध शराब जब्त

इंदौर. शराब तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो अलग अलग कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है. पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर वाहन भी जब्त किए हैं. हातोद पुलिस ने पाल कांकरिया क्षेत्र से गुजर रही आर्टिगा कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें 16 पेटी देसी शराब मिली. पुलिस ने शराब जब्त कर कार चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है. वहीं शिप्रा पुलिस ने शिवशक्तिधाम सर्विस रोड पर बाइक सवार को रोककर तलाशी ली. उसके पास से 63 लीटर से अधिक अवैध शराब बरामद हुई. पुलिस ने आरोपी दिनेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर बाइक जब्त कर ली है, मामले में जांच जारी है.

कोर्ट से लौट रहे किसान को अज्ञात वाहन ने रौंदा, उपचार के दौरान मौत

- बस स्टैंड जाते समय रीगल ब्रिज पर हुआ हादसा
- वाहन चालक की तलाश शुरू

नव भारत न्यूज

इंदौर. रीगल ब्रिज पर मंगलवार शाम सड़क हादसे में कोर्ट से पेशी कर लौट रहे एक किसान की मौत हो गई. अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल किसान को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

मृतक की पहचान इलियास उम्र 48 साल पिता अब्दुल रज्जाक निवासी काजी पलासिया, खुडेल के रूप में हुई है. हादसे के बाद इलियास गंभीर रूप से घायल होकर कुछ समय तक सड़क पर पड़े रहे. राहगीरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. जांच में सामने आया कि इलियास किसी प्रकरण में कोर्ट में पेशी के लिए इंदौर आए थे. पेशी पूरी होने के बाद वह पैदल बस स्टैंड की ओर जा रहे थे. इसी दौरान रीगल ब्रिज पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक वाहन सहित फरार हो गया. परिजनों ने पुलिस को बताया कि इलियास खेती किसानी करते थे. पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर वाहन और चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं, मामले की जांच जारी है.

एक नजर में

कई महीने से सरकारी बोरिंग खराब है, शिकायतों के बावजूद निगम के जिम्मेदारों द्वारा समाधान नहीं किया जा रहा, पार्षद की भी कोई नहीं सुन रहा

बारिश में भी जल संकट से जूझ रहे एलआईजी कॉलोनी सेक्टर-3 के लोग

इंदौर. गर्मी खत्म होने और बारिश शुरू होने के बाद भी एलआईजी कॉलोनी सेक्टर-3 के रहवासी जल संकट से जूझ रहे हैं. पिछले कई महीने से सरकारी बोरिंग खराब पड़ा है, जबकि शिकायतों के बावजूद नगर निगम के जिम्मेदारों ने समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया.

वार्ड क्रमांक 45 स्थित एलआईजी कॉलोनी सेक्टर-3 गुरुद्वारे के पास के रहवासी पिछले करीब 10 महीनों से पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं. क्षेत्र की सरकारी बोरिंग खराब होने से रहवासियों की परेशानी लगातार बनी हुई है. बताया जा रहा है कि बोरिंग के भीतर लगी मोटर फंस गई है, जिसके कारण जलापूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो गई है. मोटर निकालकर नई मोटर लगाने या वैकल्पिक स्थान पर नया बोरिंग करने का विकल्प होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं.

नर्मदा जलापूर्ति भी नियमित नहीं होने से कई बार दो-दो दिन तक पानी नहीं मिलता, जबकि कई बार दूषित पानी की शिकायत भी सामने आती है। ऐसे में लोगों को आसपास के क्षेत्रों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ. वहीं, क्षेत्र में राजनीतिक पक्षपात के कारण विकास कार्य प्रभावित होने की चर्चा भी स्थानीय स्तर पर हो रही है.

यह बोले रहवासी...

नर्मदा नल से पानी बहुत ही कम प्रेशर से आता है. इस कारण दूसरी और तीसरी मंजिल पर पानी नहीं पहुंच पाता. अगर बोरिंग चालू हो जाएगा तो उन्हें भी पानी की सुविधा मिल सकेगी.

सन्नी सागर

बीती गर्मी में बहुत समस्याएं उठाईं, उस दौरान कई बार टैंकर नहीं आ पाए थे, नर्मदा के अलावा टैंकर आ रहे हैं, पर यदि टैंकर नहीं आते तो और परेशान बढ़ जाती है.

- वेद प्रकाश सेन

एक दिन छोड़कर नर्मदा का पानी आता है, वह भी बहुत कम प्रेशर से. जबकि शुरुआत में तो दूषित पानी भी आता है. नीचे से पानी भरकर दूसरी-तीसरी मंजिल तक ले जाना पड़ता है.

- तुलसीराम शर्मा

मेरे वार्ड के साथ पक्षपात हो रहा है

पक्षपात तो हमें झेलना ही पड़ता है, मैं हमेशा मांग करते आ रही हूं कि मेरे वार्ड की बोरिंग चालू कीजिए. आम जनता की गाड़ी कमाई का पैसा लगा हुआ है. फिर भी उनको सुविधा नहीं मिल रही, परंतु जिम्मेदार सुनकर अनसुना कर देते हैं.

- सोनाली मिमरोट, पार्षद